Tender Heart High School, Sector- 33 B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं
विषय- हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौं, दस

उपविषय : अनेकार्थक शब्द

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या दो सौ छियासठ (266) पर दिए 'अनेकार्थी शब्दों' का अध्ययन करेंगे।

बच्चो ! अनेकार्थक में शब्द एक और अर्थ अनेक होते हैं। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं :-

सारंग - हिरण, शेर, मोर
पतंग - सूर्य, उड़ाने वाली पतंग, पक्षी
वार - आक्रमण, दिन
हार - हारना, फूलों की माला

उपर्युक्त उदाहरणों में सारंग, पतंग, वार एवं हार शब्दों के अनेक अर्थ हैं। अतः स्पष्ट है कि हिन्दी भाषा में कुछ शब्द ऐसे भी होते हैं, जिन्हें एक से अधिक अर्थ में प्रयोग किया जा सकता है क्योंकि ऐसे शब्द एक से अधिक अर्थ का बोध कराते हैं, इसलिए इन्हें 'अनेकार्थक शब्द' कहा जाता है।

अनेकार्थक शब्द एक से अधिक अर्थ की व्यंजना करते हैं। ये भिन्न प्रसंगों एवं परिस्थितियों से अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिन्दी भाषा में ऐसे अनेक शब्द हैं। अधिकतर देखा गया

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण ('अनेकार्थी शब्द')

है कि बच्चों को पर्यायवाची और अनेकार्थक एक जैसे लगते हैं। निम्नलिखित उदाहरण के द्वारा हम इस अंतर को जानेंगे।

'फूल' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं - कुसुम, पुष्प, प्रसून, सुमन। इन शब्दों के अर्थ केवल फूल है। इसी प्रकार कल शब्द है। कल के अनेकार्थक हैं - बीता हुआ कल, आने वाला कल या मशीन। तीनों अर्थ अलग-अलग हैं। कुछ शब्द भिन्न-भिन्न संदर्भों में प्रयोग के अनुसार भिन्न-भिन्न अर्थ देते हैं। इस प्रकार के शब्दों को 'अनेकार्थी शब्द' कहा जाता है। जैसे 'तीर' शब्द के दो अर्थ हैं, जो अलग-अलग संदर्भों में प्रयोग करने पर ही स्पष्ट होते हैं :-

(क) उसने धनुष से तीर चलाया। (बाण)
(ख) नदी के तीर पर कुछ बगुले बैठे हैं। (किनारा)

बच्चो! अब हम आपकी पुस्तक में दिए कुछ अनेकार्थी शब्दों का अध्ययन करेंगे। आपने इन्हें लिख-लिख कर याद करना है।

अनेकार्थी शब्द

1. अंबर - आकाश, कपड़ा
2. अंतर - हृदय, भेद, फ़र्क, व्यवधान, अवधि, अवसर
3. अंक - नाटक का सर्ग, परिच्छेद, नंबर, चिह्न गोद
4. अंशु - किरण, सुत, सूर्य
5. अर्थ - ऐश्वर्य, धन हेतु, मतलब प्रयोजन
6. अक्षर - ईश्वर, नष्ट न होने वाला, वर्ण, शिव
7. अनंत - आकाश, जिसका अंत न हो, ईश्वर, शेषनाग
8. अमर - शाश्वत, देवता, जो कभी न मरे
9. आदि - आरंभ, इत्यादि
10. आशा - भरोसा, दिलासा
11. उत्तर - उत्तर दिशा, जवाब, पीछे।
12. उपचार - उपाय, सेवा, इलाज

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण ('अनेकार्थी शब्द')

13. कनक - धतूरा, सोना, गेहूँ।
14. कटक - सेना, समूह, उड़ीसा के एक शहर का नाम।
15. कक्ष - कमरा, बगल।
16. कर - हाथ, किरण, हाथी की सूँड, टैक्स, करना क्रिया।
17. कक्षा - श्रेणी, दर्जा, राजा का अंत: पुर।
18. कर्ण - कान, पतवार, कुंती पुत्र कर्ण, त्रिभुज के समकोण की भुजा
19. कल - बीता दिन, आनेवाला दिन, सुख, मशीन।
20. काल - अवसर, समय, मृत्यु, यम, शनि, शिव।
21. काम - कार्य, चेष्टा, कामदेव, इच्छा, शुक्र।
22. कुटिल - टेढ़ा, घुंघराला, कपटी।
23. कुल - वंश, सारा, सभी।
24. कुंडल - कान का आभूषण, साँप की गेंडुरी।
25. घन - बादल, घना, भारी।
26. घट - घड़ा, कम, हृदय, शरीर।
27. चीर - रेखा, वस्त्र, चीरना, पट्टी।
28. चाल - गति, चलना, युक्ति, षड़यन्त्र।
29. तीर - बाण, तीर का निशान, तट।
30. तारा - नक्षत्र, आँखों की पुतली।
31. दण्ड - डंडा, जुर्माना, सज़ा, एक प्रकार की कसरत।
32. द्विज - ब्राह्मण, पक्षी चंद्रमा।
33. दल - पत्ता, समूह, सेना, पक्ष।
34. नाग - सर्प हाथी नागकेसर।
35. नाक - नासिका, स्वर्ग, एक फल, जल जंतु।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ-संख्या 266 एवं 267 पर दिए 'अनेकार्थी शब्द' को एक से पैंतीस तक (अंबर से नाक तक) अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे।

धन्यवाद।